



NetApp
PRESENTS

अवसर्स '25
Whispers of Edo
IN ASSOCIATION WITH
Powered By
acer SNAPCHAT

53rd EDITION | 7th-11th NOVEMBER

विक्रम संवत् २०८२

सुन्ति

दिवस 1



हिन्दी प्रेस क्लब



सम्पादकीय



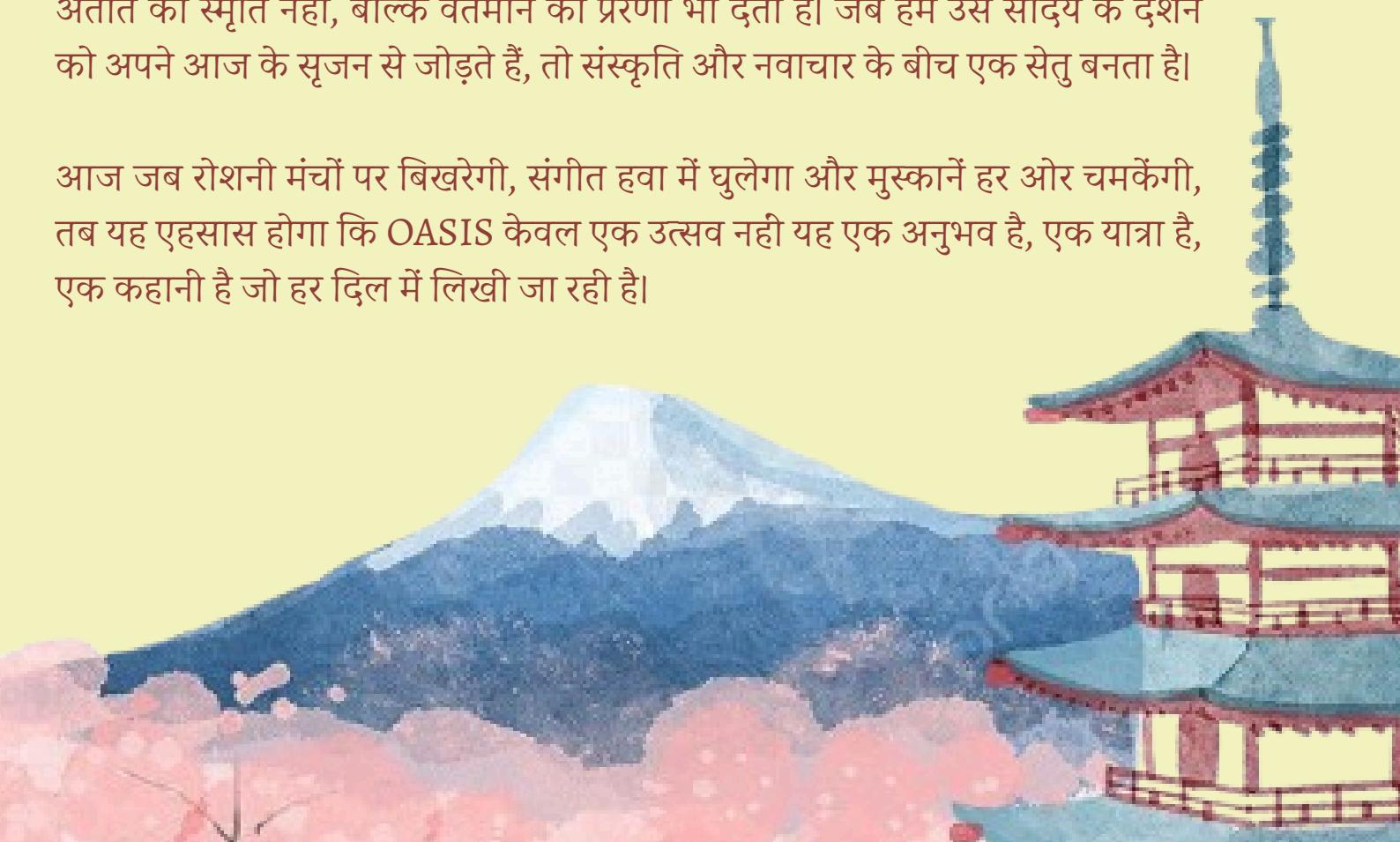
फिर वह क्षण आ ही गया जब BITS पिलानी की गलियाँ, सड़कों और प्रांगणों में जीवन एक बार फिर गूंज उठा। महीनों की तैयारी, अनगिनत प्रयासों और अनंत उत्साह के बाद, आज हम सब एक बार फिर उसी जादुई अध्याय के आरंभ पर खड़े हैं, OASIS 2025 के प्रथम दिवस पर।

इस वर्ष की थीम, “Whispers of Edo”, हमें जापान के उस युग की ओर ले जाती है जहाँ कला केवल अभिव्यक्ति नहीं थी, बल्कि जीवन शैली थी। Edo काल की वह चह -चहाटे जो सौंदर्य, अनुशासन और शांति की बात करती हैं, आज हमारे OASIS में नए रूप में जीवित हो उठी हैं। BITS का यह उत्सव इन्हीं विचारों को आधुनिकता के रंगों में ढालकर एक ऐसा संसार रचता है जहाँ विज्ञान और कला, तकनीक और संवेदना, परंपरा और प्रयोग सब साथ चलते हैं।

पहले दिन का हर क्षण एक नई शुरुआत है, पहले प्रदर्शन की धड़कन, और पहली हंसी की गूंज। ये पल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति का उत्सव हैं। यहाँ हर कलाकार अपनी कहानी कहता है, हर धुन एक भावना जगाती है, और हर दर्शक इस अनुभव का हिस्सा बन जाता है।

OASIS 2025 का यह पहला दिन हमें यह सिखाता है कि “Whispers of Edo” केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की प्रेरणा भी देता है। जब हम उस सौंदर्य के दर्शन को अपने आज के सूजन से जोड़ते हैं, तो संस्कृति और नवाचार के बीच एक सेतु बनता है।

आज जब रोशनी मंचों पर बिखरेगी, संगीत हवा में घुलेगा और मुस्कानें हर ओर चमकेंगी, तब यह एहसास होगा कि OASIS केवल एक उत्सव नहीं यह एक अनुभव है, एक यात्रा है, एक कहानी है जो हर दिल में लिखी जा रही है।

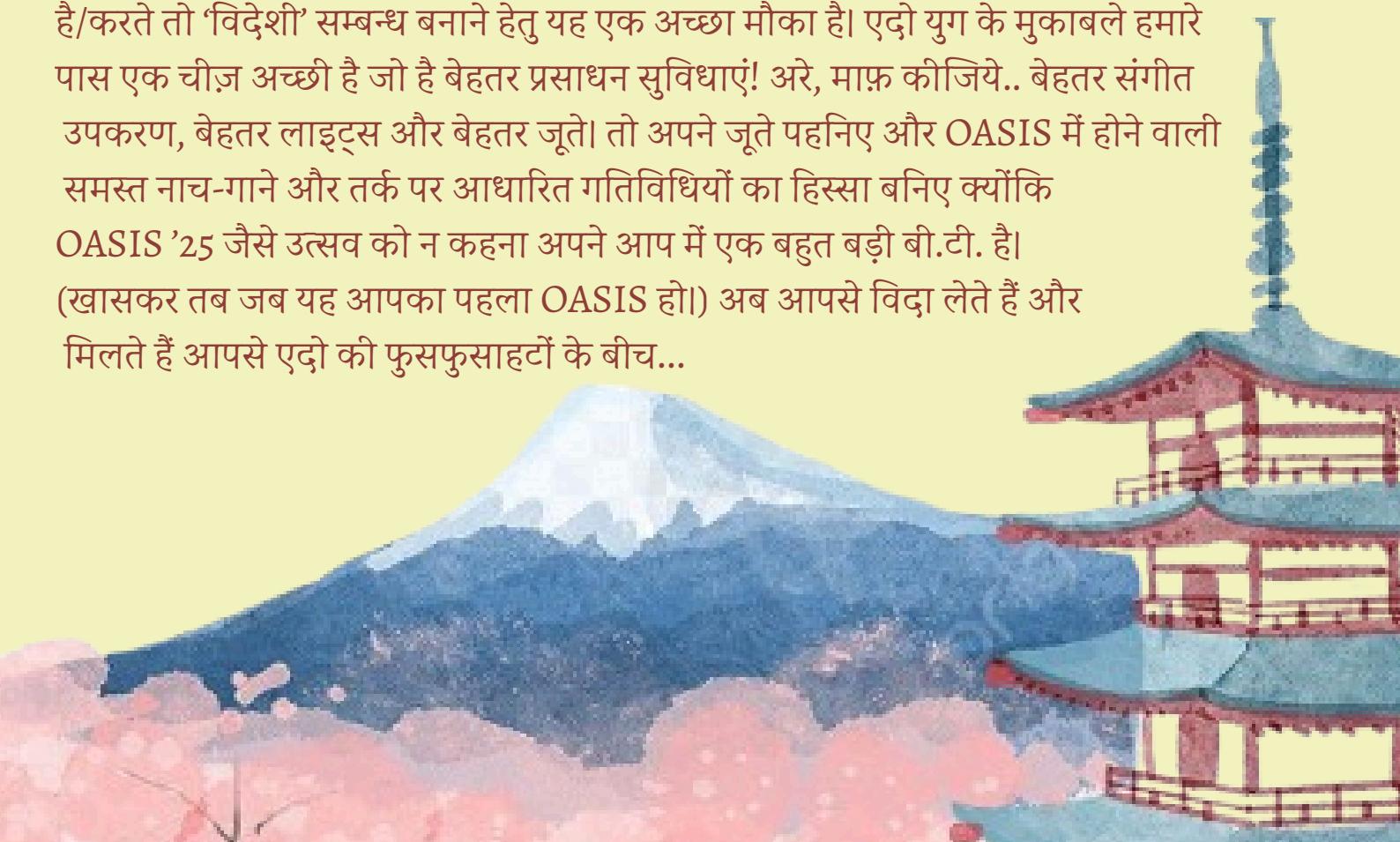


Edo युग



एदो युग, जिसे तोकुगावा युग के नाम से भी जाना जाता है, जापानी भूमि पर 1603 ई. से लेकर 1868 ई. तक चला। एदो युग तब शुरू हुआ जब तोकुगावा इएयासु 1600 ई. के सेकिगाहरा के युद्ध में विजयी हुए जिसके उपरांत उन्हें 'शोगन' की उपाधि प्राप्त हुई। हम BITS वाले भी थोड़े बहुत तोकुगावा जी जैसे ही हैं। अंतर केवल इतना है कि उन्होंने एक युद्ध लड़ा और सम्राट बन गए और यहाँ हम रोज़ निष्फल युद्ध लड़ते हैं, रात में जहाँ हमारे पूर्वज युद्धविराम पर सहमत थे, वही हम बेशर्म निशाचरों की तरह अपनो "दिन" चर्या रात्रिकाल से शुरू करते हैं। एदो युग के दौरान जापान में तोकुगावा साम्राज्य का शासन प्रबल था जिसकी एक कठोर सामाजिक व्यवस्था थी। समाज को सामुराई योद्धाओं, किसानों, कारोगरों और व्यापारियों में विभाजित किया गया। इस बँटवारे का ढंग आपको यहाँ भी देखने को मिलेगा। नहीं, नहीं, यह freshers, 2nd yearites, 3rd yearites का नहीं, यह विभाजन का तरीका है 4 साल की बी.टी. वाले और 5 साल की एम.एस.सी वाले।

अब बात करते हैं उनकी शौहरत के पीछे के कारणों की, एक सबल प्रबंधन, विद्वानों की सलाहों और प्रभावशाली व्यवस्था के आधार पर उन्होंने अपना समृद्ध, गौरवशाली साम्राज्य स्थापित किया। OASIS, जो एशिया महाद्वीप के छात्रों द्वारा चलाया जाने वाला सबसे बड़े fests में से एक है, इन्हीं तीन बातों को अपने तीन स्तम्भ बनाए अपने 53वें सत्र में भी अडिग खड़ा है। इस बार भी, हमेशा की तरह अनेकों लोग आस-पास के अन्य महाविद्यालयों से आए हैं। यदि आपको BITSians पसंद नहीं हैं/करते तो 'विदेशी' सम्बन्ध बनाने हेतु यह एक अच्छा मौका है। एदो युग के मुकाबले हमारे पास एक चीज़ अच्छी है जो है बेहतर प्रसाधन सुविधाएं! अरे, माफ़ कीजिये.. बेहतर संगीत उपकरण, बेहतर लाइट्स और बेहतर जूते। तो अपने जूते पहनिए और OASIS में होने वाली समस्त नाच-गाने और तर्क पर आधारित गतिविधियों का हिस्सा बनिए क्योंकि OASIS '25 जैसे उत्सव को न कहना अपने आप में एक बहुत बड़ी बी.टी. है। (खासकर तब जब यह आपका पहला OASIS हो।) अब आपसे विदा लेते हैं और मिलते हैं आपसे एदो की फुसफुसाहटों के बीच...



I.S.T.

B.S.T.



~~FILM
FESTIVAL~~

DAY 1 indie NITE



ritviz

SINGER OR DJ?

माईचारा!

Ritviz All Songs

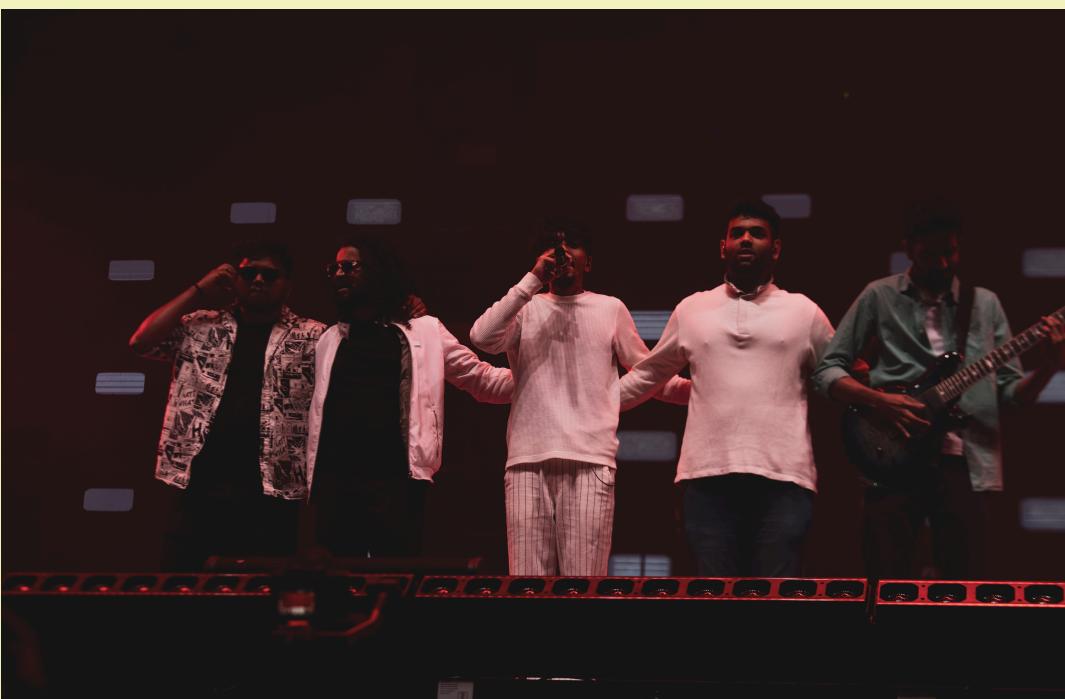
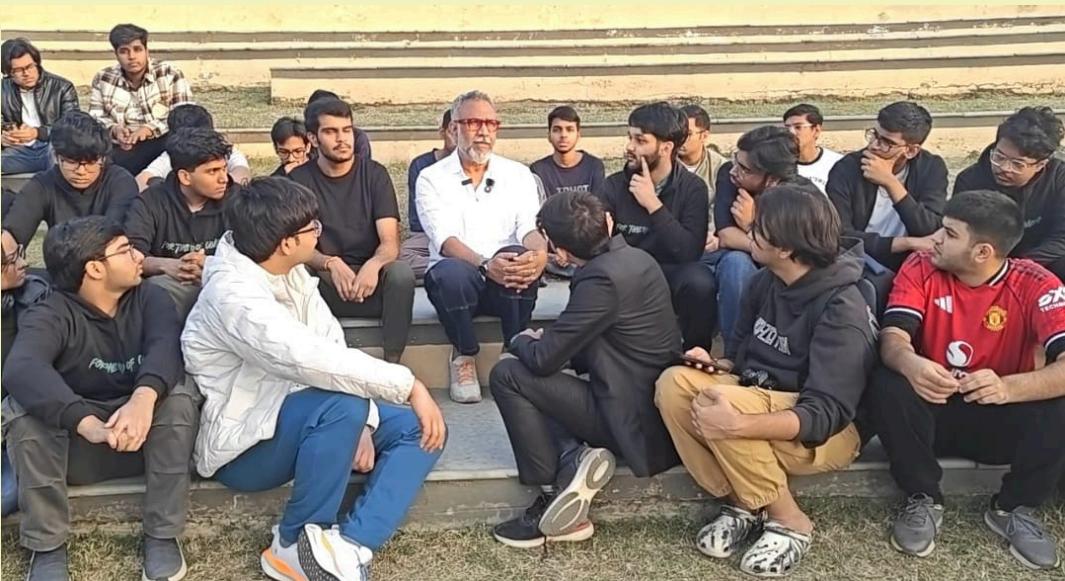
- Liggie
- Udd Gaye
- Chalo Chalein

बाकी सब
उड़ गये?

Kartik
9/11/25



INDIE NITE



D
A
Y
1

G
A
L
A



मुख्य अतिथि का साक्षात्कार

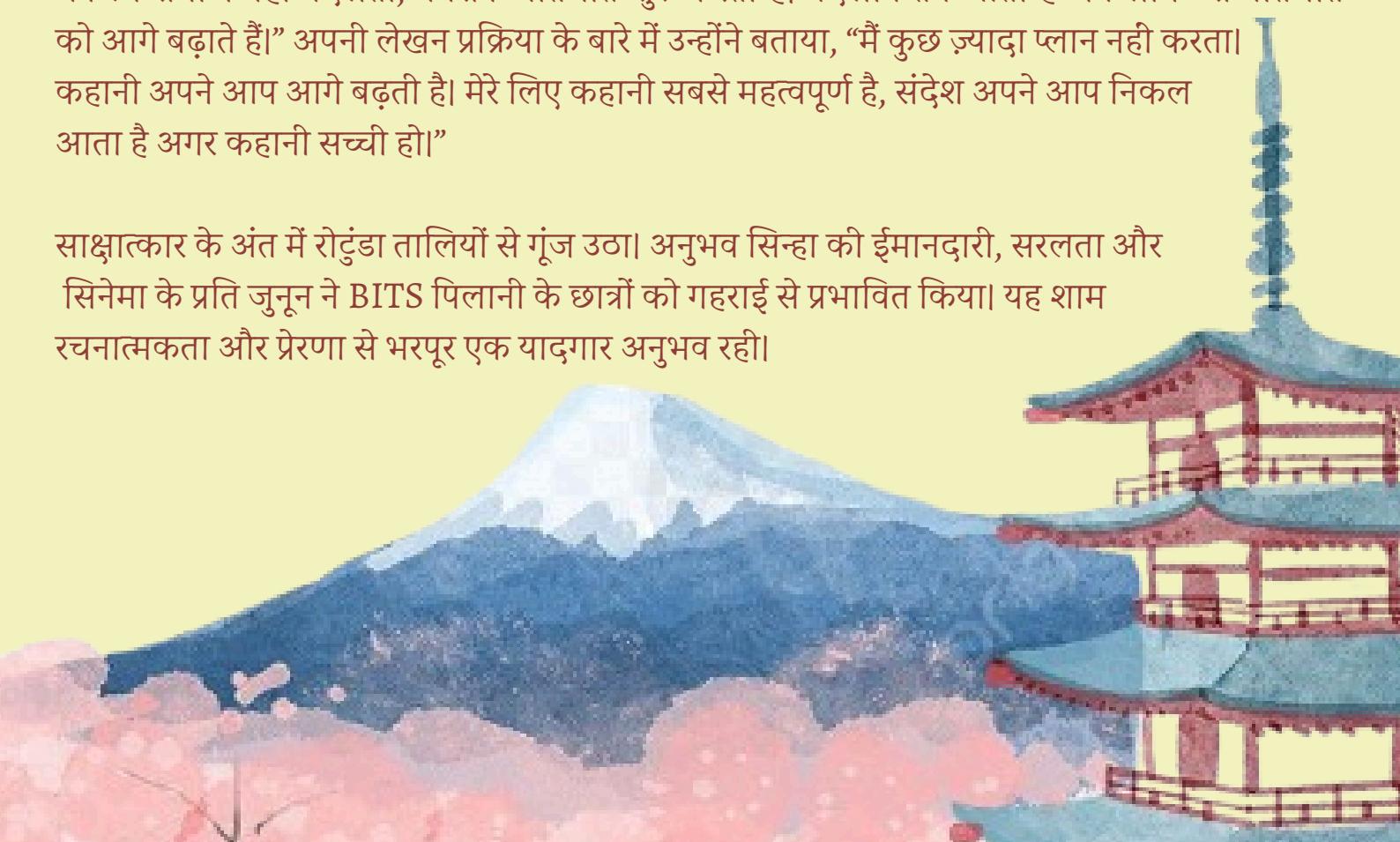
प्रसिद्ध फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा ने हाल ही में BITS पिलानी के रोटुंडा में एक प्रेरणादायक और विचारोत्तेजक सत्र में भाग लिया। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपनी फिल्मों 'रा.वन', 'आर्टिकल 15' और भी अन्य कार्यों के पीछे की सोच, प्रेरणाएँ और फिल्म निर्माण के प्रति अपने दृष्टिकोण को साझा किया।

जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने रा.वन जैसी विज्ञान-फंतासी फिल्म बनाने का विचार कैसे किया, तो उन्होंने एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा, “एक बार मैंने एक छोटे बच्चे को रिमोट कंट्रोल से रोबोट चलाने का नाटक करते देखा। वही दृश्य मेरे मन में बस गया और 'रा.वन' का बीज वही से पड़ा।” उन्होंने बताया कि जब उन्होंने यह आइडिया शाहरुख़ ख़ान को सुनाया, तो शाहरुख़ ने उन्हें 'टर्मिनेटर' फिल्म देखने की सलाह दी। फिल्म देखने के बाद उन्होंने स्क्रिप्ट को फाइनल किया और उसे अपने तरीके से ढाल दिया।

इसी क्रम को जारी रखते हुए जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने शाहरुख़ ख़ान को ही क्यों चुना, तो उन्होंने कहा, “यह फिल्म उनके बिना बन ही नहीं सकती थी। शाहरुख़ बहुत प्रोफेशनल हैं, उनका काम करने का तरीका और समर्पण वाकई प्रेरणादायक है। अगर कोई व्यक्ति उनके काम के प्रति जुनून को सीख ले, तो वह जीवन में बहुत आगे जा सकता है।”

इसके बाद चर्चा आर्टिकल 15 पर आई। इस पर उन्होंने कहा, “लोग कहते हैं कि अब भारत में भेदभाव नहीं है, पर सच यह है कि यह अभी भी मौजूद है, बस उसके रूप बदल गए हैं। इसी वजह से मैंने यह फिल्म बनाई।” जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी फिल्में समाज में बदलाव लाती हैं, तो उन्होंने बड़ी सादगी से कहा, “फिल्में समाज नहीं बदलती, वे सिर्फ बातचीत शुरू करती हैं। बदलाव तब आता है जब लोग उस बातचीत को आगे बढ़ाते हैं।” अपनी लेखन प्रक्रिया के बारे में उन्होंने बताया, “मैं कुछ ज्यादा प्लान नहीं करता। कहानी अपने आप आगे बढ़ती है। मेरे लिए कहानी सबसे महत्वपूर्ण है, संदेश अपने आप निकल आता है अगर कहानी सच्ची हो।”

साक्षात्कार के अंत में रोटुंडा तालियों से गूंज उठा। अनुभव सिन्हा की ईमानदारी, सरलता और सिनेमा के प्रति जुनून ने BITS पिलानी के छात्रों को गहराई से प्रभावित किया। यह शाम रचनात्मकता और प्रेरणा से भरपूर एक यादगार अनुभव रही।





पर्पल प्रोज़्ज

BITS पिलानी में आयोजित इस साल का पोएट्री कॉन्टेस्ट, “पर्पल प्रोज़्ज”, शब्दों और भावनाओं का एक खूबसूरत उत्सव बन गया। तीन प्रीलिम्स के बाद चुने गए 10 फ़ाइनलिस्ट्स ने अपनी कविताओं से मंच को जीवंत कर दिया, किसी ने प्रेम पर लिखा, किसी ने समाज पर, और किसी ने अपने भीतर की कहानियाँ बाँटी।

प्रतिभागियों में एक 53 वर्षीय कवि भी शामिल थे, जिन्होंने साबित किया कि कविता की कोई उम्र नहीं होती, बस एक सच्चा दिल और जर्बा चाहिए। इस बार मंच पर हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं की कविताएँ सुनाई गई, जिससे माहौल बहुभाषी भावनाओं से भर गया।

अंकुश श्रीवास्तव और जैनी वर्मा ने बतौर जज इस आयोजन को और विशेष बना दिया। हालांकि उनके यात्रा कार्यक्रम के कारण लगभग 1.5 घंटे की देरी हुई, पर दर्शकों की ऊर्जा बनी रही। इस बार फ़ाइनल्स पारंपरिक NAB ऑडिटोरियम के बजाय 6152 हॉल में हुए और उम्मीद से कही अधिक भीड़ ने इस बदलाव को सफल बना दिया।

कार्यक्रम का समापन शाम 5:30 बजे हुआ, लेकिन अंत में जजों की परफॉर्मेंस ने माहौल को जादुई बना दिया। उनमें से एक ने अपनी खुद की रचना पर आधारित गीत गाया, जिसे पूरा हॉल एक साथ गुनगुना उठा।

हॉल के बाहर रखा गया तनाबाता ट्री भी आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ विद्यार्थियों ने अपनी इच्छाएँ और सपने लिखकर टांगे।

“पर्पल प्रोज़्ज” केवल एक प्रतियोगिता नहीं थी यह BITS पिलानी की रचनात्मक आत्मा की एक सजीव झलक थी।



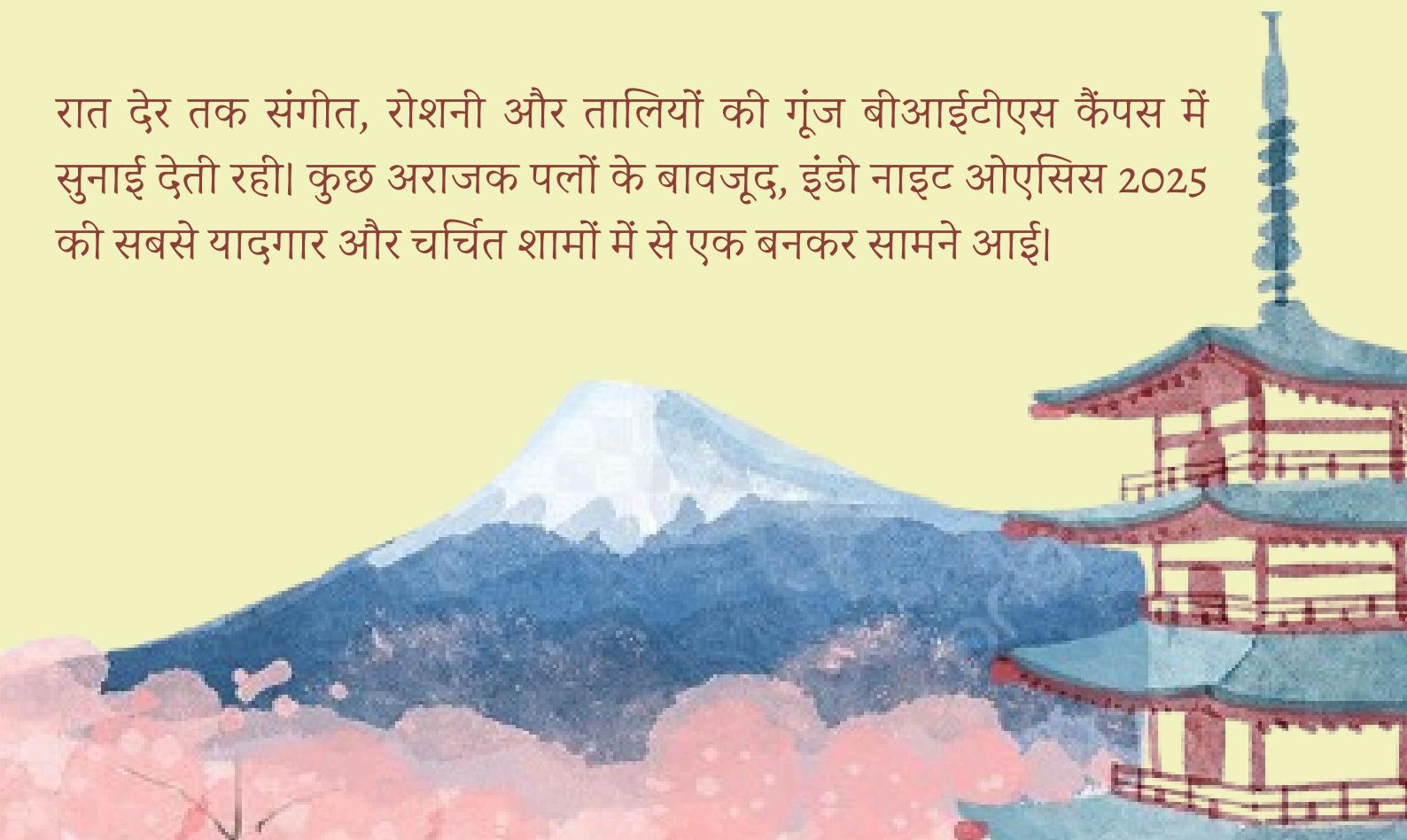
इंडी नाइट



BITS पिलानी के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव OASIS25 के प्रथम दिवस पर आयोजित बहुप्रतीक्षित इंडी नाइट इस साल रोमांच, संगीत और कुछ अफरातफरी के बीच यादगार बन गई। कार्यक्रम की शुरुआत में भारी देरी हुई, जिससे दर्शकों में थोड़ी बेचैनी देखी गई। समय बढ़ने के साथ-साथ भीड़ बढ़ती गई और वीआईपी एंट्री गेट पर हल्की भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हालात संभालने के लिए ऑडिटोरियम फोर्स को गेट खोलना पड़ा, जिसके चलते कई लोग वीआईपी स्टैंड्स में पहुंच गए।

हालांकि शुरुआती अव्यवस्था के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया जब मंच पर Ritviz और Pineapple express जो की इस बार के मुख्य किरदार भी थे, ने अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। Ritviz के इलेक्ट्रॉनिक बीट्स और Pineapple express अनोखी वोकल स्टाइल ने दर्शकों को एक अलग ही आयाम में पहुंचा दिया, और साथ ही उनकी ऊर्जा से भरी प्रस्तुति ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया।

रात देर तक संगीत, रोशनी और तालियों की गूंज वीआईटीएस कैंपस में सुनाई देती रही। कुछ अराजक पलों के बावजूद, इंडी नाइट ओएसिस 2025 की सबसे यादगार और चर्चित शामों में से एक बनकर सामने आई।



CocaCola
SNAPCHAT



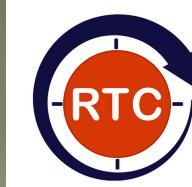
SUNO



Better For You



abhibus



सर्वाक्ष

दिव्यम, हर्ष, मोक्ष, कृष, प्रिशा, विशेष, अभिन्नआशीष, राहुल, नमः, कविश,
कौस्तुभ, प्रीतवर्धन, एकांश, अनुष्का, दिवाकर, ऋषव

सत्यम, श्रीनिधी, वंशिका, प्रज्ञाँ, जयंत, अभय, वंश, गोविंद, अर्हम, मृदुल

अनिमेष, अदित, वेदांश, हर्ष, आदित्य, भव्य, नीनाद, पार्थो, राम, रौनक,
रिशित, सोहन, अदिती, कार्तिक

यशस्कर्म, अरुणिमा, कनिष्का, अगस्त्य, अभिश्री, अभिषेक, तनवीर



Join Hindi Press Clubs'
खबरनामा
for quick LIVE updates :)